पानी माफिया का खेल, निगम के पोस्टर गायब, टैंकरों से धड़ल्ले से बिक रहा पानी

नवभारत न्यूज

इंदौर. भीषण गर्मी के बीच जहां एक ओर आम जनता पानी की समस्या से परेशान है, वहीं दूसरी ओर पानी के टैंकरों के जरिए हो रही मनमानी ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं.

शहर में जल संकट को लेकर नेता धरना-प्रदर्शन कर जनता को पानी दिलाने की बात कर रहे हैं, जबकि प्रशासनिक अधिकारी लगातार अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्था सुधारने और शिकायतों पर कार्रवाई करने में जुटे हुए हैं. इसके बावजूद टैंकर माफिया पर लगाम नहीं लग पा रही है. नगर निगम द्वारा नि:शुल्क पानी वितरण के लिए चलाए जा रहे टैंकरों पर पहले बड़े-बड़े अक्षरों में 'नगर निगम टैंकर-नि:शुल्क पानी' लिखा होता था, जिससे लोगों को

पहचानने में आसानी होती थी. लेकिन अब निगम द्वारा लगाए जा रहे पोस्टर कुछ ही दिनों में निकल जाते हैं और इसका फायदा टैंकर संचालक खुलकर उठा रहे हैं. स्थिति यह है कि कई टैंकर चालक निगम के पोस्टर हटाकर अपने हिसाब से काम कर रहे हैं और जब उनसे सवाल किया जाता है तो वे गर्मी या पोस्टर खराब होने का बहाना बना देते हैं. कई टैंकर चालक दिन-रात पानी बेचने में लगे हुए हैं और जल संकट के बीच पानी की कालाबाजारी से भी पीछे नहीं हट रहे. टैंकरों की निगरानी और सख्ती की कमी के कारण पानी माफिया बेखौफ होकर काम कर रहा है. वहीं जिम्मेदार ठेकेदार भी इस व्यवस्था पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं.

पहचान के लिए स्थायी व्यवस्था हो

हालांकि नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण और कार्रवाई का दावा कर रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर टैंकर माफिया की चालाकियों के आगे व्यवस्थाएं कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं. ऐसे में जरूरत है कि निगम टैंकरों की पहचान के लिए स्थायी व्यवस्था करे और पानी की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके.

अधिकारियों को मैदान में रहकर जल वितरण व्यवस्था देखने के निर्देश

▶ कलेक्टर एवं आयुक्त ने की पानी वितरण को लेकर समीक्षा बैठक

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में भीषण गर्मी में पानी की विकट स्थिति के बीच कलेक्टर और निगम आयुक्त ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक में जल वितरण, टैंकरों संचालन, हाइड्रेंट का वर्तमान व्यवस्थाओं की सिलसिलेवार जानकारी ली. अधिकारियों को मैदान में रहकर जल वितरण व्यवस्था की देखरेख करने निर्देश दिए.

कलेक्टर शिवम वर्मा एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा शहर में सुचारू जल वितरण करने के लिए

मुसाखेड़ी सभा कक्ष में समीक्षा बैठक की. बैठक के दौरान शहर में वर्तमान जल प्रदाय व्यवस्था, पेयजल टंकियों की स्थिति, वॉटर टैंकर संचालन, हाइड्रेंट व्यवस्था को लेकर विस्तार से जानकारी मांगी गई. अधिकारियों द्वारा विभिन्न जोनों में जल वितरण की स्थिति, जल आपूर्ति के समय, टैंकरों की उपलब्धता एवं समस्याओं के निराकरण की जानकारी प्रस्तुत की गई. कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि गर्मी में पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखकर सभी अधिकारी सतत मॉनिटरिंग करें. शहर के किसी भी क्षेत्र में जल संकट पैदा हो, वहां तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था की जाए. कलेक्टर एवं आयुक्त ने स्काडा कंट्रोल रूम में पानी टंकी भरने और जल वितरण संबंधी जानकारी ली.

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सभी अपर आयुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने आवंटित जोन क्षेत्रों में जल प्रदाय व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें. मैदान में जाकर लगातार मॉनीटरिंग करें. उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल टंकियों की साफ-सफाई, जल वितरण व्यवस्था, हाइड्रेंट संचालन एवं टैंकर आपूर्ति में लापरवाही नहीं होनी चाहिए. बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभागीय अधिकारी उपस्थित थे.

आयुक्त ने जल संकट के निराकरण के लिए अपर आयुक्तों को बांटे झोन

निगम आयुक्त ने शहर लगातार बढ़ रही पानी की समस्या के लेकर निगम के सभी अपर आयुक्तों के बीच झोन का बंटवारा कर दिया. अब सभी अपर आयुक्त अपने अपने झोन क्षेत्र में जल वितरण और टैंकर संचालन के साथ हाइड्रेंट व्यवस्था की मैदान में रहकर मॉनिटरिंग करेंगे.

झोनल कार्यालय के प्रभार

- अपर आयुक्त आकाश सिंह झोन क्रमांक 5, 10, 12 एवं 14
- अपर आयुक्त अर्थ जैन झोन क्रमांक 6, 7, 8 एवं 11
- अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर झोन क्रमांक 18, 19 एवं 20
- अपर आयुक्त मनोज पाठक झोन क्रमांक 1, 16, 17 एवं 22
- अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे झोन क्रमांक 2, 3, 4 एवं 9
- अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव झोन क्रमांक 13, 15 एवं 21 का दायित्व सौंपा गया है.

फिर बढ़े भाव, इंदौर में पेट्रोल 114 .56 और डीजल 99 .69

इंदौर. पेट्रोल-डीजल के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है. जारी नए रेट्स के अनुसार पिछले 12 दिनों में यह चौथी बार ईंधन के दाम बढ़े हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है .25 मई 2026 को जारी ताज़ा दरों के अनुसार पेट्रोल, डीजल और प्रीमियम (स्पीड) पेट्रोल के भाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. पेट्रोल की कीमत पहले 111.70 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब बढ़कर 114.56 रुपये प्रति लीटर हो गई है. इसी तरह डीजल का भाव 96 .90 रुपये से बढ़कर 99 .69 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. वहीं प्रीमियम स्पीड पेट्रोल की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. यह पहले 121 .45 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढ़कर 124 .30 रुपये प्रति लीटर हो गया है. स्थानीय व्यापारियों और वाहन चालकों का कहना है कि लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से परिवहन लागत बढ़ रही है, जिसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है. विशेषकर छोटे व्यवसायी और कम दूरी के परिवहन पर निर्भर लोग इस बढ़ोतरी से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं.

आम लोगों की बढ़ रही चिंता

पिछले 12 दिनों में चौथी बार कीमतों में बढ़ोतरी ने बजट बिगाड़ दिया है. लगातार बढ़ते ईंधन दामों के कारण आम लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और टैक्स संरचना में बदलाव का सीधा असर घरेलू ईंधन दरों पर पड़ रहा है. हालांकि, लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है.

एक नजर में

लघुकथा संग्रह मधुआशा का लोकार्पण

इंदौर. हिंदी के साथ ही अन्य भाषाओं में भी लघुकथा विधा पर काफी काम हो रहा है. यह तेजी से लोकप्रिय होती लघुकथा विधा के लिए शुभ संकेत हैं. उक्त विचार मराठी भाषा में लिखी और हिंदी से मराठी में अनूदित की गई लघुकथाओं के साझा संग्रह मधुआशा के लोकार्पण अवसर पर उभरे. विचार प्रवाह साहित्य मंच के बैनर तले इंदौर प्रेस क्लब सभागृह में इस संग्रह का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया. अध्यक्षता मराठी अकादमी के पूर्व निदेशक अश्विन खरे ने की. मंच पर बतौर अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. श्रीकांत तारे, वरिष्ठ लेखिका वैजयंती दाते, सुषमा दुबे और मधुकर बुधे की उपस्थिति थी. लघुकथा संग्रह मधुआशा की संपादक निशा बुधे झा ने बताया कि 3 राज्यों के 14 लघुकथाकारों की 42 लघुकथाओं को इस संग्रह में शामिल किया गया है. समारोह में लघुकथाकार अर्चना पंडित, कविता चौहान और छायाकार नरेंद्र होलकर को सम्मानित किया गया. अतिथियों का स्वागत अमन झा, भुवनेश दशोत्तर, संजय त्रिपाठी, डॉ. पूनम ज्वेल ने किया. सरस्वती वंदना डॉ. आरती दुबे ने प्रस्तुत की. स्वागत उद्बोधन माधुरी व्यास नवपमा ने दिया. अतिथियों को स्मृति चिन्ह आशा मुंशी, भावना बर्वे, डॉ. ज्योति सिंह निरुपमा त्रिवेदी, प्रणव श्रोत्रिय, प्रो. अखिलेश राव, शीला चंदन ने प्रदान किए. संचालन मुकेश तिवारी ने किया. आभार देवेंद्रसिंह सिसौदिया ने माना.

लश्करी ब्लॉक उपाध्यक्ष नियुक्त

इंदौर श्री बुंदेला रजक समाज समिति इंदौर के सहसचिव, इंदौर विकलांग संघ बक्षीबाग के उपाध्यक्ष, समाजसेवी, प्रापर्टी डीलर देवीलाल लशकरी को इंदौर कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे व मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी पिंटू दीपक जोशी द्वारा ब्लाक क्रमांक 13 का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

शोभा पैठणकर यूसीसी समिति में

इंदौर. शहर की शोभा ताई पैठणकर को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) समिति में शामिल किया गया है. उन्हें समिति में शामिल करने पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित शहर के गणमान्य नागरिकों सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है. इसके पूर्व ये मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग की भी सदस्य रह चुकी है.

रॉयल एनफील्ड ने हिमालयन ओडिसी शुरू की

इंदौर. मिड-साईज़ मोटरसाईकल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने 125 साल पूरे होने की खुशी में अपनी हिमालयन ओडिसी का 22वाँ संस्करण शुरू किया है. हिमालयन ओडिसी दो दशकों से अधिक समय से 'प्योर मोटरसाईकिलिंग' की भावना को एक शानदार मंच प्रदान कर रही है. यह एक जबरदस्त और रोमांचक यात्रा है, जो राईडर्स को दुनिया की सबसे ऊँची पहाड़ियों पर ले जाकर अपनी विरासत को आगे बढ़ाती है. हिमालयन ओडिसी के लिए रजिस्ट्रेशन रॉयल एनफील्ड की वेबसाईट पर चल रहे हैं. साल 2026 में यह रोमांचक यात्रा फिर से शुरू हुई है. इसे चार खास फॉर्मेट्स में एक बार फिर पेश किया गया है. इस यात्रा में राईडर्स को लद्दाख के दुर्गम और बीहड़ इलाकों में प्रवेश करने के चार रास्ते मिलेंगे. भले ही राईडर्स के रास्ते अलग-अलग होंगे, पर उनकी मंजिल एक होगी और वो सभी हिमालय के यादगार सफर पर निकलेंगे. हिमालयन ओडिसी पहली बार चार रास्तों पर आयोजित हो रही है, हिमालयन ओडिसी ओरिज़नल, एक्सप्लोर, कारगिल सर्किट और नुब्रा सर्किट. इनमें से हर रास्ता राईडर्स से वहाँ जाकर मिलने के लिए डिज़ाईन किया गया है, जहाँ वो मौजूद हैं, और वहाँ से यह सफर उन्हें अपनी कल्पना से भी आगे ले जाता है.

गंगा दशमी पर अन्नपूर्णा तालाब विकास कार्यों का भूमि पूजन

▶ मंत्री, महापौर और विधायक ने 1.50 करोड़ की योजना का किया भूमिपूजन

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोमवार को गंगा दशहरे पर जल गंगा संवर्धन अभियान में अन्नपूर्णा तालाब में जलाशय पूजन एवं तालाब का भूमि पूजन किया गया. उक्त तालाब में नगर निगम द्वारा 1.50 करोड़ रुपए से विकास कार्य और जीर्णोद्धार किया जाएगा. साथ ही उत्तर प्रदेश एवं बिहार के रहवासियों के लिए छट पूजा घाट का निर्माण होगा.

आज जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक मधु

वर्मा ने अन्नपूर्णा तालाब के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया. लगभग 1.50 करोड़ रुपए की लागत से छठ पूजा घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे. इस मौके पर अतिथियों द्वारा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई. मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गंगा दशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक योजना नहीं, बल्कि जल संरक्षण का जन संकल्प है. उन्होंने कहा कि जल का उत्पादन संभव नहीं है, केवल उसका संरक्षण और प्रबंधन ही किया जा सकता है. उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया. विधायक मधु वर्मा ने कहा कि महापौर द्वारा इंदौर में मां नर्मदा के चौथे चरण का काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि लंबे समय से छठ पूजा घाट निर्माण की मांग हो रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है. इस अवसर पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा, पार्षद प्रशांत बडवे, भरत पारख, अंशुमन चौहान, अवध किशोर शर्मा, सुधाकर दुबे, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित थे.

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने की अपील

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर में पिछले तीन वर्षों से नो कार डे अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि नो कार डे के दौरान लगभग 20 प्रतिशत कारों का उपयोग कम हुआ, पेट्रोल-डीजल की खपत में कमी आई है. साथ ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में भी गिरावट दर्ज की गई. महापौर ने आमजन से हर शुक्रवार को स्वेच्छा से नो कार डे अपनाने तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट एवं साइकिल का उपयोग करने की अपील की.

जल संकट को लेकर कांग्रेस का धरना आंदोलन आज

इंदौर. मंगलवार को शहर में व्याप्त जल संकट को लेकर शहर कांग्रेस और पार्षद दल राजबाड़ा पर नगर निगम के खिलाफ धरना आंदोलन करेंगे. आंदोलन में महापौर से इस्तीफा देने और शहर की जनता को पानी की पर्याप्त पूर्ति करने की मांग की जाएगी. नगर निगम भाजपा परिषद के खिलाफ आज शाम 5 बजे राजबाड़ा पर कांग्रेस का बड़ा धरना आंदोलन होगा. धरना आंदोलन शहर में पानी कमी, कांग्रेस पार्षद और वार्डो में गंदा पानी, जल प्रदाय में भेदभाव, हाइड्रेंट पर बीजेपी समर्थकों के कब्जे, टैंकर के कमी और निजी टैंकर से सप्लाई रोकने और पानी बिल की वसूली जैसे मुद्दों पर किया जाएगा. शहर कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में शाम 5 बजे से निगम महापौर के खिलाफ जनता को पर्याप्त पानी नहीं मिलने की समस्या को लेकर इस्तीफे की मांग करेंगे.

कलेक्ट्रेट में विशेष जनसुनवाई शिविर, कई मामलों का हुआ समाधान

▶ शिविर में राहत की कोशिशें, लेकिन प्रक्रियाओं पर सवाल कायम

नवभारत न्यूज

इंदौर. कलेक्ट्रेट में आयोजित विशेष जनसुनवाई शिविर में जहां एक ओर 300 से अधिक बुजुर्गों को विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिला, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल भी उठने लगे हैं.

कलेक्ट्रेट सभागृह में आयोजित इस शिविर में पेंशन, भरण-पोषण, स्वास्थ्य और पारिवारिक विवाद से जुड़े कुल 331 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों में मौके पर ही समाधान

का दावा किया गया. प्रशासन की ओर से इसे संवेदनशील पहल बताया गया और वरिष्ठ नागरिकों का तिलक लगाकर स्वागत तथा उपकरण वितरण भी किया गया. हालांकि, शिविर की संख्या और व्यवस्थाओं के बीच जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े हो रहे हैं. कई मामलों में स्थायी समाधान की बजाय केवल आश्वासन और आंशिक कार्रवाई होने की बात सामने आई है. कुछ बुजुर्गों का कहना था कि वर्षों से लंबित समस्याएं एक ही शिविर में पूरी तरह हल होना मुश्किल है, जबकि प्रशासन इसे त्वरित समाधान का उदाहरण बता रहा है. शिविर में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 111 सहायक उपकरण वितरित किए गए और स्वास्थ्य विभाग ने जांच व परामर्श सेवाएं दीं. बावजूद इसके, व्यवस्था को लेकर भीड़ प्रबंधन, लंबी प्रक्रिया और विभागीय समन्वय की कमी जैसे मुद्दे नजर आए.

स्थायी समाधान कम-स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि ऐसे शिविरों में समस्याओं का स्थायी समाधान कम और औपचारिकता अधिक नजर आती है. अधिकारियों की मौजूदगी और बड़े स्तर पर आयोजन के बावजूद कई बुजुर्गों को आगे की प्रक्रिया के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं.

समर कैंप में बच्चों ने सीखी कैंडल मेकिंग

इंदौर. समर कैंप-2026 के छठवें दिन बच्चों को डिजाइनर कैंडल बनाना सिखाया और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई.

जीआरपी पुलिस लाइन हब्सी बिचौली रोड पर आयोजित कैंप में डिजाइनर कैंडल आर्टिस्ट द्वारा बच्चों को आकर्षक कैंडल बनाने का प्रशिक्षण दिया. बच्चों ने विभिन्न रंगों और डिजाइनों के साथ कैंडल तैयार कर अपनी रचनात्मकता दिखाई. इसके साथ ही बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में समझाइश दी गई. बच्चों को संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित दिनचर्या, व्यायाम और

पर्याप्त नींद के महत्व के बारे में बताया. डॉक्टर ने बच्चों को जंक फूड से दूर रहने और पौष्टिक भोजन अपनाने की सलाह दी. साथ ही मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया.

इंदौर-पीथमपुर में निर्बाध बिजली आपूर्ति की दिशा में बड़े सुधार पूरे

नवभारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने इंदौर, पीथमपुर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को अधिक सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए विभिन्न सुधार कार्य किए हैं.

प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश एवं अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा के मार्गदर्शन में एसटीसी और वितरण केंद्रों की टीमों ने फीडरों के सुदृढ़ीकरण, अतिरिक्त पोल और मिड स्पान पोल लगाने सहित कई तकनीकी कार्य पूरे किए. पीथमपुर, बगदून, नेमावर रोड और उज्जैन रोड क्षेत्र में 33 केवी फीडरों की लाइनें मजबूत की गईं तथा जेतपुरा उपकेंद्र के फीडरों का एलाइनमेंट सुधारकर आपसी क्रॉसिंग समाप्त की गई. इससे फॉल्ट और

ब्रेकडाउन की संभावनाएं कम हुई हैं. भंवरासला, कुमेडी और धरमपुरी क्षेत्रों में भी विद्युत लाइनों को व्यवस्थित किया गया. वहीं सांवेर औद्योगिक क्षेत्र और अरविंदो हॉस्पिटल को पैंथर लाइन से जोड़कर बेहतर और सतत विद्युत सप्लाई सुनिश्चित की गई. इसके अलावा विभिन्न सब स्टेशनों पर आइसोलेटर बदलकर डबल सप्लाई और लाइन सुरक्षा को मजबूत किया गया है।

एक नजर में ▶ नारी शक्ति वंदन नाट्य महोत्सव में दी स्त्री शक्ति के साक्षात्कार की प्रस्तुति

लक्ष्मीबाई केलकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया

इंदौर. पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई के 301वे जन्मोत्सव पर आयोजित नारी शक्ति वंदन नाट्य महोत्सव के तहत नाटक स्त्री शक्ति का साक्षात्कार की प्रस्तुति हुई. देवी अहिल्या विश्वविधालय के आडिटो रियम में हुए इस नाट्य प्रस्तुति को देखने बड़ी संख्या में नाट्यप्रेमी पहुँचे,

राष्ट्रसेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मी बाई केलकर के जीवन पर आधारित इस नाटक का लेखन राज बेंद्रे ने किया और इसका निर्देशन रेखा देशपांडे और मंजूश्री भोगले ने किया. इस नाटक मे मुख्य भूमिका स्नेहा मोड़क, रेणुका आर्विकर, रिधिमा तावसे, मंजुश्री भोगले, दिलीप खोपकर, स्वरा गोडबोले ने निभाई थी. राष्ट्र निर्माण में अपनी आहुति देने वाली भारत की महान नारी चेतना और 'राष्ट्र सेविका

समिति' की संस्थापिका वंदनीया मौसी जी (श्रीमती लक्ष्मीबाई केलकर) के जीवन और उनके महान विचारों पर आधारित एक अत्यंत संवेदनशील, ओजस्वी और ऐतिहासिक नाटक रहा. यह नाटक केवल एक जीवनी नहीं है, बल्कि 1936 के उस संक्रमण काल की महागाथा है जब स्त्री का घर से निकलना भी सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध माना जाता था. ऐसे समय में एक साधारण गृहणी ने देश की आधी आबादी के भीतर अष्टभुजा जैसी अदम्य शक्ति का संचार किया. यह जानकारी संस्कृतिकर्मी जयंत भिसे ने दी.

प्रमुख आकर्षण और संदेश

यह नाटक मौसीजी के कठोर अनुशासक और एक कोमल, ममतामयी माँ के अंतर्संबंधों को दिखाता है जैसे दीपा नाम की एक निर्धन सेविका को बिना उसका अपमान किए, सम्मान के साथ गणवेश की साड़ी उपहार में देना .नाटक का समापन आज के आधुनिक दौर के सबसे बड़े संकट-सामंजस्य को सुलझाते हुए होता है. नाटक यह सशक्त संदेश देता है कि आधुनिकता की दौड़ में परिवार को अनदेखा करना कतई आवश्यक नहीं है. स्त्री समाज और परिवार दोनों की धुरी है. मौसी जी के शब्दों में- 'घर से निकलना तो है, पर घर की ओर लौटना भी है. 'मैं नहीं, तू' और 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना ही इस नाटक की आत्मा है.